

Code No. 6011

Roll No.

SET : D

D. El. Ed. 1st Year Exam., July/August – 2024

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear/Mercy Chance Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश :

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः –

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।

6011/(Set : D)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधस्तनेषु यथेच्छं प्रश्नद्वयम् उत्तरत - 2 × 3 = 6
 (क) संस्कृतभाषायाः वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत।
 (ख) पठनकौशलस्य महत्त्वं विवेच्यताम्।
 (ग) भाषायाः विविधरूपाणि प्रतिपादयत।
2. एकः प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
 (क) 'तुल्यास्यप्रयत्नं सर्वर्णम्' इति सूत्रं सोदाहरणं विवेच्यताम्।
 (ख) सन्धिः कतिविधो भवति ? परिभाषापूरवकभेदाश्च लिख्यन्ताम्।
3. एकः प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
 (क) रामायणस्य उपजीव्यत्वं लिख्यताम्।
 (ख) वैदिकसाहित्यस्य संक्षिप्त परिचयं प्रतिपादयत।
4. एकः प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
 (क) आदर्शवाचनस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत।
 (ख) संस्कृतपाठयोजनायाः के-के गुणाः प्रतिपाद्यन्ताम् ?
5. एकस्य प्रश्नस्य विस्तृतविवेचनं विधीयताम् - 1 × 5 = 5
 (क) महाभारतस्य महत्त्वं प्रतिपादयत।
 (ख) वेदाङ्गसाहित्यस्य महत्त्वं प्रतिपादयत।

भाग - 'ख'

6. अधस्तनेषु शुद्धं विकल्पं चित्वा लिख्यताम् - 1 × 15 = 15
 (क) अक्षरविन्यासाय समीचीनो विधिः अस्ति -
 (i) माण्टेसरी विधिः (ii) चित्रविधिः
 (iii) अनुकरण विधिः (iv) सर्वे उक्ताः विधयः

- (ख) संस्कृतभाषायाः भाषापरिवारः अस्ति ?
- | | |
|---------------------|----------------|
| (i) द्राविड़परिवारः | (ii) भारोपीयः |
| (iii) तिब्बतपरिवारः | (iv) काकेशियनः |
- (ग) अन्तःस्थवर्णो नास्ति –
- | | |
|---------|--------|
| (i) य | (ii) व |
| (iii) ल | (iv) ह |
- (घ) प्राचीनतमा भाषा वर्तते –
- | | |
|---------------|--------------|
| (i) संस्कृतम् | (ii) तमिलः |
| (iii) आंग्ल | (iv) तेलुगूः |
- (ङ) 'संस्कृतम्' इति पदे धातुः वर्तते –
- | | |
|------------|-----------|
| (i) कृ | (ii) कृ |
| (iii) क्रि | (iv) क्री |

- (च) अस् धातोः लङ्लकारे प्रथमपुरुषैकवचने रूपं भवति –
- | | |
|-------------|------------|
| (i) आसीत् | (ii) अभवत् |
| (iii) सन्ति | (iv) आसन् |
- (छ) चवर्गस्य वर्णानामुच्चारणस्थानम् अस्ति –
- | | |
|--------------|------------|
| (i) कण्ठः | (ii) तालुः |
| (iii) मूर्धा | (iv) ओष्ठौ |
- (ज) स्वरसन्धौ विकारो जायते –
- | | |
|---------------|----------------|
| (i) व्यञ्जने | (ii) स्वरे |
| (iii) विसर्गे | (iv) अनुस्वारे |
- (झ) रामायणस्य रचयिता को वर्तते ?
- | | |
|-----------------|---------------|
| (i) वेदव्यासः | (ii) कालिदासः |
| (iii) वाल्मीकिः | (iv) भारविः |

- (ज) विश्वस्य प्राचीनतमो ग्रन्थः अस्ति –
- | | |
|-----------------|---------------|
| (i) ऋग्वेदः | (ii) रामायणम् |
| (iii) महाभारतम् | (iv) उपनिषद् |
- (ट) पाठयोजनायाः सोपानं भवति –
- | | |
|---------------------|----------------------|
| (i) प्रस्तावना | (ii) आदर्शवाचनम् |
| (iii) प्रश्नोत्तरम् | (iv) उक्तानि सर्वाणि |
- (ठ) काव्यशिक्षणस्य उद्देश्यं नास्ति –
- | | |
|----------------------------------|--------------------------|
| (i) काव्यं प्रति अनुरागोत्पादनम् | (ii) काव्यरसास्वादनम् |
| (iii) कल्पनाशक्तेः विकासः | (iv) व्याकरणतत्त्वावबोधः |
- (ड) कविकुलगुरुः इति नाम्ना प्रसिद्धः कविः अस्ति –
- | | |
|-----------------|----------------|
| (i) भासः | (ii) कालिदासः |
| (iii) वेदव्यासः | (iv) वाल्मीकिः |

- (ढ) सर्वेषु काव्येषु रम्यं भवति –
- | | |
|--------------|-------------|
| (i) गद्यम् | (ii) कथा |
| (iii) पद्यम् | (iv) नाटकम् |
- (ण) कालिदासस्य नाटकम् अस्ति ?
- | | |
|------------------------|-----------------------|
| (i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् | (ii) स्वप्नवासवदत्तम् |
| (iii) चारुदत्तम् | (iv) मालतीमाधवम् |
-